

मिल पर बकाया पड़ा है और इसकी अदायगी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है।

अतः सरकार से पुनः अनुरोध है कि "दी महालक्ष्मी शुगर मिल्स, इकबालपुर, जनपद सहारनपुर (उ० प्र०), पर गन्ना किसानों के बकाये करीब ढाई करोड़ रुपये 15 प्रतिशत व्याज सहित तुरन्त अदायगी कराने की व्यवस्था करें तथा इस मिल की बीमारी की अवस्था में त्वरित सुधार हेतु जो भी उचित हो, कार्यवाही की जाय तथा मिल का अधिग्रहण सरकार द्वारा किया जाय, अन्यथा मिल की दिन-ब-दिन हालत बदतर होती जा रही है, एक दिन श्रमिकों के लिए ठप्प होकर बेरोजगार का कारण बन जायगी और इस पर हमेशा हमेशा के लिए सरकारी नियंत्रण असंभव हो जायगा।

(iii) Lack of adequate medical facilities in rural areas.

श्रीमती कृष्णा साही (बेगूसराय) : उपाध्यक्ष महोदय, देश के गांवों में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति काफी चिन्ताजनक है। हाल में ही केन्द्रीय सर्वेक्षण स्वास्थ्य मन्त्रालय के द्वारा किया गया था, जिसके अनुसार 5,464 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में डाक्टर नहीं हैं। जो डाक्टर हैं भी वे उप केन्द्रों में नहीं जाते क्योंकि उन्हें यातायात की सुविधा नहीं है, उन्हें रहने के लिए घर नहीं है। डाक्टरों के अभाव में देहात में रहने वाले लोगों को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। भारत के 60 प्रतिशत से अधिक लोग गांवों में रहते हैं। योग्य और अनुभवी डाक्टरों के अभाव में असहाय लोगों को नीम हकीमों की शरण में जाना पड़ता है। शिक्षा और अज्ञानता का लाभ उठाकर ये तथाकथित डाक्टर खूब पैसा भी ऐंठते हैं और लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी करते हैं। मोतिया बिन्दु, ज़ान्डिस, कालाजार, मलेरिया एवं अन्य गम्भीर रोगों से ग्रसित लोगों को जान का खतरा उपस्थित हो गया है। सरकार को डाक्टरों के वेतन एवं अन्य

सुविधाओं को बढ़ाकर देहातों में डाक्टर उपलब्ध कराने की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। इस ओर मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करती हूँ ताकि चिकित्सा तन्त्र की व्यवस्था में सुधार हो सके।

(iv) Need for providing cheap accommodation and medical facilities to Kashmiri labour migrating to other States for work.

SHRI ABDUL RASHID KABULI (Srinagar) : Thousands of Kashmiri peasants and landless labour migrate to Punjab, Himachal Pradesh, Haryana and Union Territory of Chandigarh, etc. every year in winter to earn their livelihood by putting in their hand labour in various avocations. Kashmiri labour is considered cheapest but most trusted and dependable. A good number of these labourers are illiterate and being unable to find work in their home State are forced to migrate and work as labourers in neighbouring States. Unfortunately nothing tangible is being done to provide them shelter by constructing sarais, etc. These poor and helpless people suffer in rain, snow and bitter cold. They take refuge in mosques and dungeon-like hired rooms collectively and dump themselves in most unhygienic conditions. The States are not taking necessary steps to assist these poor people in providing them housing and other basic facilities; though these people are contributing with their sweat and blood for the development of their economy in private and public sectors. The Centre should take cognizance of this matter which is essentially national and human in essence. It should take up this matter with the State Government concerned and with their assistance or on its own, construct Sarais in those States, and provide accommodation on nominal charges besides making available medical facilities.

(v) Need for steps to control root (wilt) disease in coconut crop.

PROF. P. J. KURIEN (Mavelikara) : India is the third largest coconut growing country in the world having an area of about 1.07 million hectares and an annual production of about 5800 million nuts. The root (wilt) disease which is debilitating in nature, affects the crop inflicting loss to the tune of 340 million nuts annually. This malady, first noticed in certain pockets in Southern Kerala, has now established conti-